अन्तकृद्दशासूत्र सूत्र (फोल्डर नंबर ००१२४२)

मुख्य टाइटल
समर्पण -- ५
प्रकाशकीय --- ७
आमुख -- ९
श्री आगम प्रकाशन समिति ब्यावर -- १२
सम्पादकीय -- १३
प्रस्तावना --- २१
विषयानुक्रम --- ३३
प्रथम वर्ग
    प्रथम अध्ययन
        उत्क्षेप -- १
        संग्रहणी गाथा---८
        गौतम --- ९
        भिक्षुप्रतिमा --- १८
        गुणरत्नतप --- १९
    २-१० अध्ययन
        समुद्र आदि कुमारों की सिद्धि --- २१
द्वितीय वर्ग
    उत्क्षेप -- २२
    संग्रहणीगाथा -- २२
    अक्षोभ आदि का वर्णन -- २२
तृतीय वर्ग
    प्रथम अध्ययन
        उत्क्षेप --- २३
        अणीसादि पद --- २३
        बहत्तर कलाएँ --- २४
        प्रीतिदान -- २७
    २-६ अध्ययन
        चौदह पूर्व -- ३१
    सप्तम अध्ययन
        सारण -- ३२
    अष्टम अध्ययन
        गजसुकुमार -- ३३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

उत्क्षेप -- ३३
छह अनगारों का संकल्प --- ३३
छह अनगारों का देवकी के घर में प्रवेश -- ३४
देवकी को पुनः आगमन की शंका और समाधान -- ३६
पुत्रों की पहचान -- ३७
देवकी की पुत्राभिलाषा --- ४४
कृष्ण द्वारा चिन्तानिवारण का उपाय --- ४४
देवकी देवी को आश्वासन -- ४८
गजसुकुमार का जन्म --- ४९
सोमिल ब्राह्मण -- ५८
सोमिलकन्या का अन्तःपुर में प्रवेश -- ५९
भगवान अरिष्टनेमि की उपासना --- ६०
धर्मदेशना और विरक्ति --- ६०
गजसुकुमार की दीक्षा --- ६७
गजमुनि का महाप्रतिमा-वहन --- ७६
सोमिल द्वारा उपसर्ग --- ७८
गजसुकुमाल मुनि की सिद्धि --- ७९
वासुदेव कृष्ण द्वारा वृद्ध की सहायता --- ८१
गजसुकुमाल की सिद्धि की सूचना --- ८२
सोमिल ब्राह्मण का मरण-- ८६
सोमिल-शव की दुर्दशा -- ८७
निक्षेप -- ८८
नवम अध्ययन
सुमुख -- ८९
१०-१३ अध्ययन
दुर्मुख आदि --- ९०
चतुर्थ वर्ग
१-१० अध्ययन
उत्क्षेप -- ९१
जालि प्रभृति -- ९१
निक्षेप -- ९१
पञ्चम वर्ग
प्रथम अध्ययन
पद्मावती -- ९४
भगवान अरिष्टनेमि का पदार्पण-धर्मदेशना--- ९४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

द्वारकाविनाश का कारण-- ९४
श्रीकृष्ण का उद्वेग-उसका शमन -- ९५
श्रीकृष्ण के तीर्थंकर होने की भविष्यवाणी -- ९८
श्रीकृष्ण की धर्मघोषणा -- ९९
पद्मावती की दीक्षा और सिद्धि -- १०७
२-८ अध्ययन
गौरी आदि --- १०८
९-१० अध्ययन
मूलश्री-मूलदत्ता --- १०९
षष्ठ वर्ग
१-२ अध्ययन
मकाई और किंकम --- ११०
तृतीय अध्ययन
मुद्गरपाणि -- ११२
अर्जुन मालाकार --- ११२
गोष्ठिक पुरुषों का अनाचार -- ११३
अर्जुन का प्रतिशोध -- ११५
राजगृह नगर में आतंक --- ११५
श्रावक सुदर्शन श्रेष्ठी-- ११६
भगवान महावीर का पदार्पण --- ११७
सुदर्शन का वन्दनार्थ गमन --- ११८
सुदर्शन को अर्जुन द्वारा उपसर्ग --- १२०
सुदर्शन और अर्जुन की भगवत्पर्युपासना --- १२२
अर्जुन की प्रव्रज्या -- १२४
परिषह-सहन और सिद्धि --- १२५
४-१४ अध्ययन
काश्यप आदि गाथापति -- १३०
१५ अध्ययन
अतिमुक्त --- १३३
गौतमस्वामी की भिक्षाचर्या और अतिमुक्त --- १३३
गौतम और अतिमुक्त का समागम -- १३५
अतिमुक्त का गौतम के साथ वन्दनार्थ गमन -- १३६
अतिमुक्त की प्रव्रज्या –सिद्धि --- १३७
१६ अध्ययन
अलक्ष --- १४१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

सप्तम वर्ग
१-१३ अध्ययन
नंदा आदि ---------- १४४
अष्टम वर्ग
प्रथम अध्ययन
काली ---------- १४६
उत्क्षेप ---------- १४६
काली आर्या का रत्नावली तप ---------- १४७
काली आर्या की अन्तिम साधना-सिद्धि ---------- १५१
द्वितीय अध्ययन
सुकाली ---------- १५४
सुकाली का कनकावली तप ---------- १५४
तृतीय अध्ययन
महाकाली का लघुसिंहनिष्क्रीडित तप ---------- १५६
चतुर्थ अध्ययन
कृष्णा ---------- १५९
कृष्णा देवी का महासिंहनिष्क्रीडित तप ---------- १५९
पंचम अध्ययन
सुकृष्णा ---------- १६०
सुकृष्णा का भिक्षुप्रतिमा-आराधन ---------- १६०
षष्ठ-अध्ययन
महाकृष्णा ---------- १६५
महाकृष्णा का लघुसर्वतोभद्र तप ---------- १६५
सप्तम अध्ययन
वीरकृष्णा ---------- १६७
वीरकृष्णा का महासर्वतोभद्र तप ---------- १६७
अष्टम अध्ययन
रामकृष्णा ---------- १७०
रामकृष्णा का भद्रोत्तरप्रतिमा तप ---------- १७०
नवम अध्ययन
पितृसेनकृष्णा ---------- १७२
पितृसेनकृष्णा का मुक्तावली तप ---------- १७२
दशम अध्ययन
महासेनकृष्णा ---------- १७५
महासेनकृष्णा का आयंबिलवर्द्धमान तप ---------- १७५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

निक्षेप-उपसंहार -- १७७
परिशिष्ट-१
आगमन में वर्णित विशेष नाम -- १८०
तीर्थंकर -- १८०
जहा शब्द से गृहीत व्यक्ति -- १८०
आगम -- १८०
प्रयुक्त व्यक्ति विशेष-मुनि आदि -- १८०
देव विशेष -- १८०
क्षत्रियवर्ण के व्यक्ति -- १८०
वैश्य वर्ण के व्यक्ति -- १८१
ब्राह्मण वर्ण के व्यक्ति -- १८२
शूद्रवर्ण के व्यक्ति -- १८२
मंडली -- १८२
पशु -- १८२
तप -- १८२
स्वप्न -- १८२
नगरी -- १८२
द्वीप -- १८३
यक्षायतन -- १८३
उद्यान -- १८३
पर्वत -- १८३
वृक्ष -- १८३
पुष्प-लतादि -- १८३
धातुविशेष -- १८३
भवनविशेष-- १८३
बन्धन -- १८३
वस्तु -- १८३
यान -- १८३
अलंकार -- १८३
पक्वान्न -- १८३
ग्रह -- १८३
मणिरत्नादि -- १८३
क्षेत्र -- १८४
परिशिष्ट-२
व्यक्ति परिचय

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

इन्द्रभूति गौतम, कृष्ण, कोणिक, चेल्लणा, जम्बूस्वामी, जमालि, जितशत्रु,
धारिणी, महाबलकुमार, मेघकुमार, स्कन्दकमुनि, सुधर्मास्वामी, श्रेणिक राजा ---------------- १८५
भौगोलिक परिचय
काकंदी, गुणशील, चम्पा, जम्बूद्वीप, द्वारका, दूतिपलाश चैत्य, पूर्णभद्र चैत्य,
भद्दिलपुर, भरतक्षेत्र, राजगृह-- १९१
अनध्ययकाल -- २०९

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org